B.A. Part - I

Economics Honours

Paper - I

Micro Economics

Topic :- Definitions of Economics

अर्थशास्त्र की परिभाषाएँ

अर्थशास्त्र की परिभाषा को लेकर अर्थशास्त्रीयों के विचारों में भिन्नता है। विभिन्न अर्थशास्त्रीयों ने अर्थशास्त्र को अलग-अलग रूपों में परिभाषित किया है। अर्थशास्त्र की विभिन्न परिभाषाओं को निम्नांकित पाँच वर्गों में बाँटा जा सकता है :

1. धन सम्बन्धी परिभाषाएँ (एडम स्मिथ, वाकर, सीनियर जे. एस. मिल इत्यादि),

2. कल्याण सम्बन्धी परिभाषाएँ (मार्शल, पीगू, कैनन बिवरेज आदि),

3. दुर्लभता या सीमित साधन सम्बन्धी परिभाषा (रॉबिन्स),

4. आवश्यकता - विहीनता सम्बन्धी परिभाषा (जे. के. मेहता)

5. आधुनिक या विकास - केन्द्रित परिभाषा (सैम्युलसन)।

Scanned by TapScanner

1. धन सम्बन्धी परिभाषाएँ (Wealth related Definition)

इस वर्ग की सभी परिभाषाएँ अर्थशास्त्र को 'धन का विज्ञान' मानती है। अर्थात प्राचीन अर्थशास्त्री (Classical Economists) के अनुसार अर्थशास्त्र का मौलिक संबंध 'धन' से है। प्राचीन अर्थशास्त्रियों में सबसे प्रमुख आदम स्मिथ (Adam Smith) है जिन्हें 'अर्थशास्त्र का जनक' (Father of Economics) कहा जाता है। उनके विचार का समर्थन वाकर, सीनियर, जे. एस मिल आदि अर्थशास्त्रीयों ने किया है। Adam Smith ने सर्वप्रथम 1776 ई. में अर्थशास्त्र पर एक प्रामाणिक पुस्तक लिखी जिसका नाम 'An Enquiry into the Nature and Causes of the Weath of the Nation' (राष्ट्रो के धन के स्वरूप तथा कारणों की खोज) था। वास्तव में कहा जाय तो Adam Smith की पुस्तक का नाम व उनके विचारों का सारांश है। Adam Smith ने अपनी पुस्तक में अर्थशास्त्र की परिभाषा इस प्रकार दी है — "अर्थशास्त्र सम्पत्ति या धन का विज्ञान है"। (Economics is a

Scanned by TapScanner

Science of Wealth.) दूसरे शब्दों में, अर्थशास्त्र में केवल धनोपार्जन सम्बन्धी क्रियाओं अथवा रुपये पैसे प्राप्त करने के तरीकों का अध्ययन किया जाता है और आर्थिक क्रियाओं का मुख्य उद्देश्य धन की प्राप्ति है।

Adam Smith के अनुसार धनोपार्जन सम्बन्धी क्रियाओं का अर्थ धन के उत्पादन (Production), विनिमय (Exchange), वितरण (Distribution) एवं उपभोग (consumption) सम्बन्धी क्रियाओं से है। उन्होंने समाज में रहने वाले व्यक्तियों को दो वर्गों में बाँटा है :- आर्थिक मानव (Economic Man) तथा गैर आर्थिक मानव (Non-Economic man)। आर्थिक मानव सदा सम्पत्ति के अर्जन में लगा रहता है, किन्तु गैर आर्थिक मानव ऐसा नहीं करते हैं। Adam Smith के अनुसार अर्थशास्त्र का संबंध 'आर्थिक मानव' से है। अन्य प्राचीन में भी Adam Smith के परिभाषा का समर्थन किया है जिसमें रिकार्डो (Ricardo), जे० एस० मिल (J. S. Mill) जे, बी से (J. B. Say), वाकर (Walker), सीनियर (Senior) इत्यादि अर्थशास्त्रियों के नाम प्रमुख है।

Scanned by TapScanner

जे० बी० से (J. B. Say) के शब्दों में, "अर्थशास्त्र वह विज्ञान है जो सम्पत्ति की विवेचना करता है" (Economics is that body of knowledge which relates to wealth).

वाकर (Walker) के अनुसार, "अर्थशास्त्र ज्ञान की वह शाखा है जिसका सम्बन्ध धन से है" (Economics is that body of knowledge which relates to wealth.)

Hunman Choudhary
Asst. Prof.
Department of Economics
A. S. College Bikramganj.

Scanned by TapScanner